राज्यए सभा

अतारांकित प्रश्ना संख्या 1096

04 मार्च, 2015 को उत्तभर के लिए

भारतीय इस्पात निर्माताओं की तुलना में पोस्को को दिए जा रहे लाभ

1096. श्री प्यारीमोहन महापात्र:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित करने के नाम पर, दक्षिण कोरिया की पोस्को को कई लाभ दिए जा रहे हैं जो कच्चे माल की पक्की प्रतिबद्घता बड़े पत्तन के समीप एक पत्तन और एस ई जेड के रूप में भारतीय इस्पात निर्माताओं के खिलाफ संभावित भेदभाव दर्शाता है; और

(ख) यदि हां, तो सरकार भारतीय इस्पात उद्योग के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने हेतु क्या कदम उठाने का विचार रखती है?

उत्त र

इस्पांत और खान राज्यो मंत्री **श्री विष्णु देव साय**

(क) और (ख) इस्पाोत एक नियंत्रणमुक्तU क्षेत्र है। इसलिएइस्पाेत परियोजनाओं के निवेश और उत्पासदन संबंधित निवेशकों के वाणिज्यिक विवेक और बाजार गतिशीलता आधारित सचेत निर्णयों के परिणाम होते हैं। इस्पातत निवेशकों और केंद्रीय/राज्यर सरकारों के बीच इस्पाात मंत्रालय एक सुविधादाता तथा समन्व यकर्ता की भूमिका निभाता है।

***

राज्यद सभा

अतारांकित प्रश्ना संख्या 1097

04 मार्च, 2015 को उत्तिर के लिए

झारखंड में गुआ लौह अयस्क खान को फिर से खोलना

1097. डा. प्रदीप कुमार बालमुचू:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या झारखंड के पश्चिम सिंघभूम जिले में स्थित गुआ लौह अयस्क खान, सरकार द्वारा पर्यावरणीय एवं वनीय स्वीकृति न मिलने के कारण 15 जून, 2011 से बंद पड़ी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ग) इन लौह अयस्क खानों की अद्यतन स्थिति क्या है; और

(घ) उक्त खानों को पुन: खोलने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए जा रहे हैं?

उत्त)र

इस्पायतऔर खान राज्यो मंत्री **श्री विष्णुि देव साय**

(क) से (घ): पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रदान की गई कार्य अनुमति के समाप्त होने और राज्यो सरकार के आदेशों समेत विभिन्नय कारणों सेगुआ लौह अयस्कर खानों में प्रचालन बंद कर दिया गया है। वर्तमान में झारखंड उच्चो न्याययालय के हस्त क्षेप पर इन खानों में प्रचालन चल रहा है।

*****